शास. लाल चक्रधर शाह महा. अं. चौकी

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

सत्र - 2021-22

कक्षा - बी. ए. भाग - II

विषय - हिन्दी साहित्य

प्रश्न पत्र - प्रथम (अर्वाचीन हिन्दी काव्य)

75 अंक

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर सक्रम लिखिए। 2। अंक

1. प्रश्न - निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। प्रत्येक - 7

(क) सबकी नसों में पूर्वजों का पुण्य रक्त प्रवाह हो,
गुण, शील, साहस, बल तथा सबमें भरा उत्साह हो,
सबके हृदय में सर्वदा संवेदना की दाह हो,
हमको तुम्हारी चाह हो, तुमको हमारी चाह हो।
विद्या, कला, कौशल्य में सबका अटल अनुराग हो,
उद्योग का उन्माद हो, आलस्य अघ का त्याग हो,
सुख और दुःख में एक-सा सब भाइयों का भाग हो,
अन्तःकरण में गूँजता राष्ट्रीयता का राग हो॥

अथवा

वह तोड़ती पत्थर, देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर।
वह तोड़ती पत्थर, कोई न छायादार।
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,
श्यामतन, भर बँधा यौवन
नत नयन, प्रिय कर्म रत-मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार
सामने तरु-मालिका, अट्टालिका, प्राकार॥

Scanned by CamScanner

(ख) सुरपति के हम ही हैं अनुचर,
जगत्प्राण के भी सहचर,
मेघदूत की सजल कल्पना,
चातक के प्रिय जीवनधर,
मुग्ध शिखी के नृत्य मनोहर,
सुभग स्वाति के मुक्ताकर
विहग वर्ग के गर्भ विधायक,
कृषक बालिका के जलधर ॥

अथवा

हाय! मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन ?
जब विषण्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन!
स्फटिक सौंध में हो शृंगार मरण का शोभन,
नग्न, क्षुधातुर, वास-विहीन रहें जीवित जन ?
मानव! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति ?
आत्मा का अपमान, प्रेत और छाया से रति !!

(ग) मैं ग्वालन वे पहचानी-सी,
कर आँखें शेती पानी-सी,
वृन्दावन की कुंजगली में,
भटक रही ऐसी पगली मैं।
मो-बाप तुम्हीं मेरे हो
मैं क्या बोलूँ,
आँसू ही मानूँ,
मैं जबान भी खो लूँ,
भले पीठ मारो तुम मालिक!
पेट मारिये नहीं!!

अथवा

P.T.O.→

Scanned by CamScanner

पार्श्व गिरि का नम्र चीड़ों में,
डगर चढ़ती उमंगों-सी,
बिछा पैरों में नदी, ज्यों दर्द की रेखा।
बिहग-शिशु मौन नीड़ों में,
मैंने आँख-भर देखा।
दिया मन को दिलासा- पुन: आऊँगा,
भले ही बरस-दिन अनगिन युगों बाद।
क्षितिज ने पलकु-सी खोली,
तमक कुर दामिनी बोली,
" अरे यायावर, रहेगा याद" ?

2. प्रश्न :- मैथलीशरण गुप्त राष्ट्रीय भावनाओं के कवि हैं। इस आधार पर गुप्त जी के काव्यगत वैशिष्ट्यता पर प्रकाश डालिए।
12 अंक

अथवा

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को विद्रोही एवं क्रांतिवादी कवि कहा जाता है, समीक्षा कीजिए।

3. प्रश्न: - सुमित्रानन्दन पंत वास्तव में प्रकृति के चितेरे कवि हैं, इस आधार पर उनके काव्य के प्रकृति चित्रण पर विचार प्रस्तुत कीजिए।
12 अंक

अथवा

मानखलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय भावना के कवि हैं, उनके काव्य में राष्ट्रीयता स्पष्ट परिलक्षित होती है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"अज्ञेय" प्रयोगवाद और नई कविता के प्रवर्तक हैं, सोदारण सिद्ध कीजिए।

Scanned by CamScanner

4 प्रश्न :- निम्नलिखित किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखिए। 15 अंक
प्रत्येक - 3

(I) हरिऔध और खड़ी बोली

(II) सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं का मूल स्वर।

(III) राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ

(iv) छायावाद के चार आधार स्तंभ।

(V) श्रीकांत वर्मा का साहित्यिक परिचय।

(vi) परिवर्तन कविता का सारांश लिखिए।

(vii) प्रगतिवाद पर लेख लिखिए।

5 प्रश्न :- निम्नलिखित किन्हीं (15) पन्द्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 15 अंक

(I) किस कवि को हिन्दी का 'वर्डस्वर्थ' कहा जाता है?

(ii) नई कविता का शलाका-पुरुष किसे माना जाता है?

(iii) अज्ञेय किस वाद के जनक माने जाते हैं?

(iv) खड़ी बोली के प्रथम महाकाव्य क्या है?

(V) प्रथम तारसप्तक का प्रकाशन वर्ष लिखिए?

(vi) "सामग्री का नैवेद्य दान" किसकी कृति है?

(vii) हरिऔध का पूरा नाम क्या है?

(viii) छायावाद के प्रवर्तक कौन है?

(ix) मुक्तक छंद के प्रणेता कवि कौन है?

(X) भारत माता कहाँ निवास करती है?

(xi) किन्हीं दो राष्ट्रीय कवियों के नाम लिखिए।

(xii) 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से कौन प्रसिद्ध है?

(xiii) उलाहना कविता के माध्यम से कवि ने किस पर व्यंग्य प्रहार किया है?

(xiv) आज का दुःख, कल का आह्लाद,
और कल का सुख आज विषाद
उपर्युक्त पंक्ति किस कविता से उद्धृत है।

(XV) आँसू किस प्रकार का काव्य है?

(XVi) विद्यावादिनी का अर्थ बताइए?

(XVii) लोकायतन के रचनाकार कौन है?

Scanned by CamScanner

(xiii) 'कुकुरमुत्ता' के रचनाकार कौन है?

(xiv) 'कितनी नावों में कितनी बार' के रचयिता कौन है?

(xx) निःशस्त्र सेनानी कविता के रचनाकार का नाम बताइए?

Scanned by CamScanner